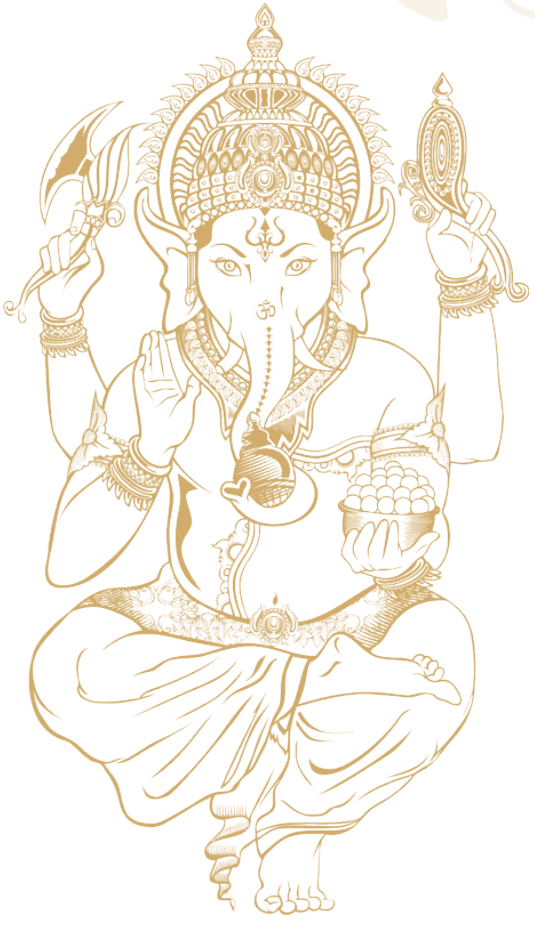

Vipul Totuka

Kirti ajmera

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121199810

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/01/1999	जन्म तिथि	19/02/1999
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 19:19:00	जन्म समय	09:22:00 घंटे
घटी 30:10:33	जन्म समय(घटी)	05:53:33 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Jaipur
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:46	सूर्योदय	07:00:34
18:04:09	सूर्यास्त	18:20:52
23:50:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 5मा 17दि	00:18:26	सिंह	लग्न	मीन	23:28:01	शनि 4वर्ष 2मा 8दि
राहु	13:19:45	मक	सूर्य	कुंभ	06:12:12	केतु
15/07/2008	20:02:55	वृष	चंद्र	मीन	13:43:35	29/04/2020
15/07/2026	06:35:42	तुला	मंगल	तुला	14:20:05	29/04/2027
राहु 28/03/2011	08:06:07	मक	बुध	कुंभ	18:04:09	केतु 25/09/2020
गुरु 21/08/2013	02:43:06	मीन	गुरु	मीन	07:30:42	शुक्र 25/11/2021
शनि 27/06/2016	04:47:03	कुंभ	शुक्र	मीन	02:49:05	सूर्य 02/04/2022
बुध 14/01/2019	03:41:26	मेष	शनि	मेष	05:15:15	चन्द्र 01/11/2022
केतु 02/02/2020	28:21:33	कर्क	व राहु व	कर्क	28:17:18	मंगल 30/03/2023
शुक्र 01/02/2023	28:21:33	मक	व केतु व	मक	28:17:18	राहु 16/04/2024
सूर्य 27/12/2023	18:35:56	मक	हर्ष	मक	19:54:20	गुरु 23/03/2025
चन्द्र 27/06/2025	08:12:44	मक	नेप	मक	09:02:19	शनि 02/05/2026
मंगल 15/07/2026	16:04:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:30:22	बुध 29/04/2027

लग्न-चलित

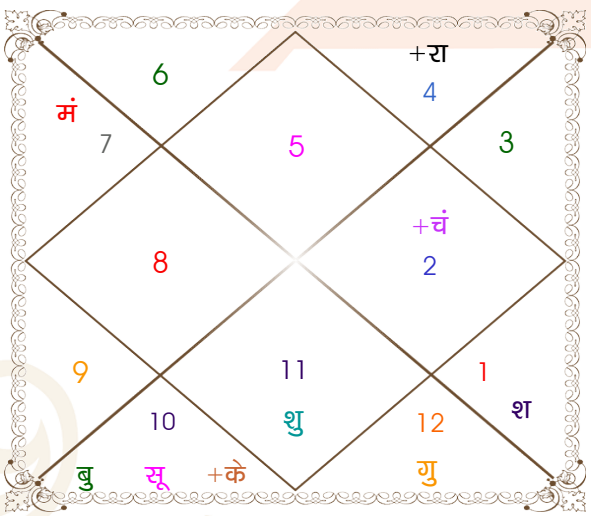

लग्न-चलित

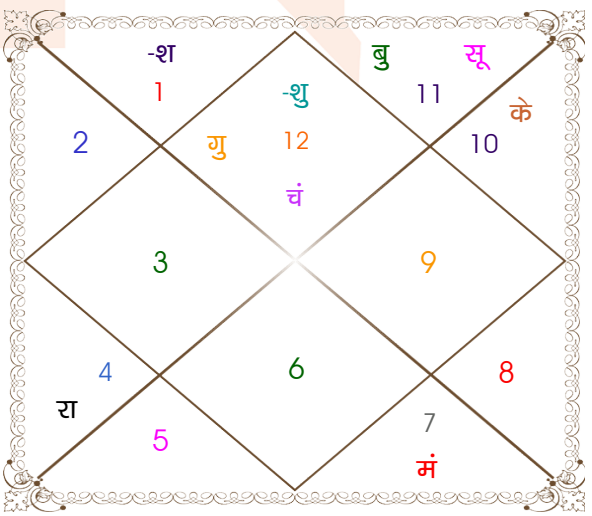

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

टपचनस ज्वजनां का वर्ग मृग है तथा ज्ञपतजप ंरउमतं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपचनस ज्वजनां और ज्ञपतजप ंरउमतं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

टपचनस ज्वजनां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ज्ञपतजप ंरउमतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने द्यूनेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात यदि बली गुरु और शुक्र स्वराशि या उच्च होकर लग्न या सप्तम भाव में हों तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि गुरु और शुक्र ज्ञपतजप ंरउमतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल टपचनस ज्वजनां कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपचनस ज्वजनां तथा ज्ञपतजप ंरउमतं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।